

संक्षिप्त समाचार

भाजपा समर्थकों का तांडव किसान के साथ की मारपीट



ज्ञानीर हसन / एनसीआर समाचार
जीत की खुशी में भाजपा समर्थकों का तांडव किसान के साथ कि भाजपीट, ट्रैकर ट्राली से बीजी मिल गवा लेकर जा रहा था कि किसान डीजे की धून पर लौटी किकाल रहे थे भाजपा कार्यकर्ताओं ने मध्यांच आतंक डागा बीजोंपर पर साइड न मिलने से गुस्सा उभयपा समर्थक के मारपीट में किसान का सर फूट गया पीड़ित पहुंचा कोतवाली तिकुलियों किसान की डालत गंभीर बताई जा रही है।

खाध सुरक्षा प्रशासन शाजपुर द्वारा लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन शिविर शुजालपुर में लगाया गया

राजेश भेवाड़ा / एनसीआर समाचार

खाध सुरक्षा प्रशासन द्वारा लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन खाध पदार्थ विकर्ताओं के लिए शुजालपुर में शिविर आयोजित किया गया, जिसमें लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन की वर्द्धि व उससे जुड़ी हुई समस्याओं का नियरकरण किया गया, खाध सुरक्षा जिला अधिकारी RK काम्बले जी व उनकी ठीम के द्वारा किया गया।

वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई सागर के द्वारा महिला दिवस मनाया गया

मुकेश हरयाना / एनसीआर समाचार

सर्वप्रथम सरस्वती पूजन कर महिलाओं ने सभी को महिला दिवस की शुभकामनाएं दी और वहां सभी महिलाओं ने अपने-अपने विवाह व्यक्त किए जिला अध्यक्ष विनोदा के सरवानी ने कहा कि नारी दुर्गा, नारी काली, नारी ही महान है नारी की महिमा से सारा जगहां है ज्योति झुड़ेले जी ने कहा कि औरत के अस्तित्व से ही समाज है, सुनील साराफ जी ने कहा कि नारी की समाज की शक्ति का राज है नारी, बांधा नायक जी ने कहा कि नारी दो कुल की लाज होती है रुकमणी के सरवानी, कहा कि नारी के स्त्राभिमान से ही नारी का अस्तित्व है, कंचन के सरवानी जे कहा कि कोमल है कमजोर वही शक्ति का नाम नारी है हिंस तरह के वक्तव्य महिलाओं ने कहे इस कार्यक्रम में मध्यांच के सरवानी, ऋतु अरोहा, मीना के सरवानी, सर्गीना के सरवानी, सुनीला, नीसी आदि उपस्थिति रहे मध्य का संचालन संध्या के शरवानी के लिए जिला आभार अलका जी ने व्यक्त किया।

पंजाब से आम आदमी पार्टी की जीत पर कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई

राजेश कुमार / एनसीआर समाचार

विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद, पंजाब से आम आदमी पार्टी की जीत पर ग्राम आतेला जिला जयपुर के आप कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटी और खुली मलाई। श्री छाजूलाली ने बताया की आप पार्टी ने पंजाब में आप पार्टी के हैं कार्यकर्ताओं ने अपनी सभी मेहनत से घोट कर का दिल जीता, जिससे पार्टी को जित मिली छाजूलाल जी ने बताया की जैसे दिली में अच्छे कार्य किए जा रहे हैं वैसे ही पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार अच्छा कार्य करेगी। इस मौके पर छाजूलाल जी सैनी सतनायानी जी, परोदे टेलर, रामकिशन जी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूपी में हुई भाजपा की भारी बहुमत से जीत

बबलू / एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत से सभी बेहद खुश हैं। बता दें कि बुद्धलखण्ड के हमीरपुर महोबा जिला से बीजेपी जीती है। राठ विधानसभा से विधायिका मलिना अबुराजी जी, हमीरपुर विधानसभा विधायक मनोज कुमार प्रजापाणि, महोबा विधानसभा से विधायक राकेश गोस्वामी, चरखारा विधानसभा से बृजभूषण राजपूत उर्फ गुहु भैया।

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भारी बहुमत से जीत विधानसभा चुनाव

मनीष कुमार / एनसीआर समाचार

रायबरेली में जीत की लहर बछरावा से सपा के श्याम सुंदर भारती 2700 से ज्यादा वोटों से जीती, सदर विधानसभा से अदिति रिंग 7500 वोटों से जीती, सरेनी विधानसभा से सपा के देवेंद्र सिंह 3000 वोटों से जीती। सदर विधानसभा से बीजेपी प्रत्यार्थी अदिति सिंह जीती, बछरावा विधानसभा से सपा प्रत्यार्थी श्याम सुंदर भारती जीते, हरांदुरुप विधानसभा से सपा प्रत्यार्थी मनोज पांडे जीते, सरेनी विधानसभा से सपा प्रत्यार्थी देवेंद्र प्रताप सिंह जीती, सलोन विधानसभा बीजेपी प्रत्यार्थी अशोक कोरी जीती।

वार्षिकोत्सव भामाशाह एवं प्रतिभा समारोह का आयोजन किया गया



प्रमोद कुमार बंसल / एनसीआर समाचार

राजकीय उच्च विधायिका विद्यालय पालाम राजपूत में 10 मार्च 2022 को वार्षिकोत्सव भामाशाह एवं प्रतिभा समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि महीने प्रसाद बंगुजार मुख्य ब्लॉक विश्वाकारी कोटपुतली एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में P.E.E.D रामकिशन यादव पूर्व D.Y.S.P दीनाराम खटाना S.M.C अध्यक्ष बनवारीलाल एवं सरपंच प्रतिनिधि युवा लेता विक्रम छाजूली अध्यापक सुरेंद्र कुमार, श्रीमती कौशल यादव सुशी निर्मला, राजेश कुमार आदि लोगों का विश्वाकारी में रांगांग कार्यक्रम में शामिल हुए। विद्यालय के विद्यार्थियों में रांगांग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जिससे खुश होकर भामाशाह दीनाराम खटाना ने 5100 की राशि की सहयोग प्रदान कि, विद्यालय के विद्यार्थी होनहार अनुशासित विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में श्रीमिल C.B.O महावीर प्रसाद द्वारा विद्यालय के अनुशासित विद्यार्थियों की प्रसंता की एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

राज्यपाल ने प्लेसमेंट दिवस समारोह को किया संबोधित

देवेंद्र कुमार जैन / एनसीआर

समाचार

राज्यपाल श्री मंगुआई पटेल ने कहा है कि टारोट के साथ स्मार्ट और स्ट्रांग कार्य-प्रणाली सफलता की गारंटी है। संकल्प, समर्पण, सत्य-निष्ठा और सकारात्मका के साथ कार्य करने पर कोई भी लक्ष्य असाध्य नहीं होता है।



वीज से वृक्ष बनने के दृष्टिकोण में नहीं निरंतर प्रयासों में मिलता है। राज्यपाल श्री मंगुआई पटेल टेक्नोक्रेस गुप्त और इंस्टीट्यूशन्स के प्लेसमेंट दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जिस तरह वीज को सही जगह पर रोपने और उसके उचित उद्देश्य के लिए एवं उपलब्ध विकास का कार्य किया जाए तो वीज को अपने लोगों से समावेश विकास का कार्य किया जाएगा।

वीज से वृक्ष बनने के लिए एवं उपलब्ध विकास का कार्य किया जाएगा।

भविष्य की शुभकामनाएं दी, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम सर्वेक्षणों के तहत तात्परा में वार्षिकोत्सव व भामाशाह सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि सरपंच जमालखान, वाडीपंच गगन राम गढ़वार, अध्यक्ष बलवंत सिंह, PEOO स्वरूप सिंह, समाजसेवी गोरखाराम गढ़वार और उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस तरह वीज को सही जगह पर रोपने और उपलब्ध विकास का कार्य किया जाए तो वीज को अपने लोगों से समावेश विकास का कार्य किया जाएगा।

भविष्य की शुभकामनाएं दी, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम सर्वेक्षणों के तहत तात्परा में वार्षिकोत्सव व भामाशाह सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि सरपंच जमालखान, वाडीपंच गगन राम गढ़वार, अध्यक्ष बलवंत सिंह, PEOO स्वरूप सिंह, समाजसेवी गोरखाराम गढ़वार और उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस तरह वीज को सही जगह पर रोपने और उपलब्ध विकास का कार्य किया जाए तो वीज को अपने लोगों से समावेश विकास का कार्य किया जाएगा।

भविष्य की शुभकामनाएं दी, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम सर्वेक्षणों के तहत तात्परा में वार्षिकोत्सव व भामाशाह सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि सरपंच जमालखान, वाडीपंच गगन राम गढ़वार, अध्यक्ष बलवंत सिंह, PEOO स्वरूप सिंह, समाजसेवी गोरखाराम गढ़वार और उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस तरह वीज को सही जगह पर रोपने और उपलब्ध विकास का कार्य किया जाए तो वीज को अपने लोगों से समावेश विकास का कार्य किया जाएगा।

भविष्य की शुभकामनाएं दी, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम सर्वेक्षणों के तहत तात्परा में वार्षिकोत्सव व भामाशाह सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि सरपंच जमालखान, वाडीपंच गगन राम गढ़वार, अध्यक्ष बलवंत सिंह, PEOO स्वरूप सिंह, समाजसेवी गोरखाराम गढ़वार और उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस तरह वीज को सही जगह पर रोपने और उपलब्ध विकास का कार्य किया जाए तो वीज को अपने लोगों से समावेश विकास का कार्य किया जाएगा।

भविष्य की शुभकामनाएं दी, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम सर्व

संपादकीय

आपरेशन गंगा को लेकर
सीनियर सिटीजन का गुस्सा
क्या दर्शा रहा है?

सीनियर सिटीजन में रोज की तरह जोरदार बहस चल रही थी। आज बहस का मुद्दा भारत सरकार का आपरेशन गंगा ही था। एक का कहना था कि भारत के नागरिक हैं, विपरीत परिस्थिति में उन्हें वापस लाने की जिम्मेदारी देश की ही है, किंतु देश उनके आने की व्यवस्था का खर्च क्यों उठाए। यूक्रेन में फंसे 18 हजार छात्रों में लगभग 17,700 भारतीय छात्र अब तक स्वदेश वापिस आ गए। उम्मीद है कि वहां बचे बाकी भारतीय छात्र भी जल्दी ही वापिस आ जाएंगे। भारत ने यूक्रेन में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों को वापस लाने के अभियान को आपरेशन गंगा नाम दिया। यूक्रेन से भारतीयों को निकालने के अभियान की मानीटरिंग स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। उन्होंने इसमें केंद्र के चार मंत्रियों को लगाया गया। यूक्रेन की सीमा से सटे चार देश और 18 हजार के आसपास भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालना देश के समने एक बड़ी चुनौती थी। इन मंत्रियों को इन चार अलग-अलग देशों में भेजा गया ताकि वह वहां की सरकार से समन्वय बनाकर सही से आपरेशन को कामयाब कर सकें। इन सबकी मेहनत, मिला-जुला प्रयास रंग लाया। 22 फरवरी, 2022 को अभियान प्रारंभ हुआ। अब तक 17700 के लगभग छात्र यूक्रेन से लाए गए। इस अभियान में वायुसेना को भी लगाया गया। वैसे तो यूक्रेन में कई देशों के नागरिक फंसे हैं लेकिन अपने लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए भारत ने दुनिया का सबसे तेज ॲपरेशन चलाया। अपने नागरिकों और वहां फंसे छात्रों को बाहर निकाला। आपरेशन की कामयाबी यह है कि युद्ध के बीच ये छात्र सुरक्षित देश लौटे। एक छात्र को ही जान गवानी पड़ी। इस अभियान की खास बात यह रही कि युद्धरत लुस और यूक्रेन ने तिरंगा लगी बसों को सुरक्षित रास्ता प्रदान किया। खबर तो यहां तक आई कि भारतीयों की सुरक्षित निकासी के लिए रुसी सेना की तरफ से छह घंटे हमले भी रोक दिए गए थे। इस अभियान की सारी बात ऐसै कि भारत

गए था। इस आम्यान का खास बात यह है कि भारत सरकार आपरेशन का पूरा खर्च खुद वहन कर रही है। छात्रों को यूक्रेन से निकाल कर लाने, दूसरे सीमावर्ती देश में उनके रहने और जाने आदि की व्यवस्था करना सरल काम नहीं था, किंतु केंद्र सरकार के दृढ़ संकल्प के कारण यह हो सका। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि यूक्रेन में फंसे एक-एक छात्र को निकाल कर लाया जाएगा। एक छात्र के भी यूक्रेन में रहने तक आपरेशन जारी रहेगा। इस आपरेशन और भारत सरकार की कार्रवाई की पूरी दुनिया में तारीफ हो रही है। पर यूक्रेन में पढ़ने गए छात्र और उनके अभिभावकों के बयान पीड़ादायक रहे। एक छात्र की मांग थी कि उसे मुंबई से दिल्ली अपने पैसे से आना पड़ा। सरकार यह पैसा उसे दे, क्योंकि यह छात्रों को निःशुल्क लाने का दावा कर रही है। एक अभिभावक ने कहा कि उसने 50 लाख रुपये कर्ज लेकर बेटे को पढ़ने भेजा था, अब क्या होगा। उनका मन्तव्य रहा कि सरकार यह पैसा भी उसे दे। किसी की शर्त थी, कि वह भारत आएगा तो अपने पालतू कुते के साथ, तो किसी की जिद थी कि उसे अपनी पालतू बिल्ली लेकर प्लेन में नहीं आने दिया जा रहा। आज सुबह मैं रोज की तरह घूमने पार्क में पहुंचा तो वहाँ कुछ सीनियर सिटीजन में रोज की तरह जोरदार बहस चल रही थी। आज बहस का मुद्दा भारत सरकार का आपरेशन गंगा ही था। एक का कहना था कि भारत के नागरिक हैं, विपरीत परिस्थिति में उन्हें वापस लाने की जिम्मेदारी देश की ही है, किंतु देश उनके आने की व्यवस्था का खर्च क्यों उठाए। ये छात्र वहाँ समाज सेवा करने नहीं गए थे। वहाँ से लौटकर भी समाज सेवा नहीं करेंगे। योग्य भी नहीं थे। योग्य होते तो देश के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश मिल जाता। मां-बाप ने पैसे के बल पर उन्हें यूक्रेन डॉक्टर बनाने भेजा था। अब वहाँ से उल्टी-सीधी डॉक्टरी पढ़कर अपना अस्पताल चलाएंगे। मरीज देखने की मोटी फीस लेंगे। अपने मोटे कमीशन के लिए उल्टे-सीधे टैस्ट कराएंगे। दगाई भी कमीशन वाली लियेंगे। जिस तरह से बस चलेगा मरीज के परिवार को लूटेंगे। इन पर क्यों सरकारी पैसा लुटाया जा रहा है? एक का कहना था कि ये पैसा देश के टैक्स पैयर (टैक्स देने वाले नागरिक) का है। सरकार का नहीं कि खैरात बांट दे। ये कहीं और देश की जरूरत पर लगाया जा सकता था। एक अन्य की राय थी कि आज चीन के आक्रामक रुख को देखते हुए सेना के संसाधन बढ़ाने और आधुनिक शस्त्रों की खरीद पर खर्च होना चाहिए था। फालतू के लिए टैक्सदाताओं की खून पसीने की कमाई का खरबों रूपया इन पर बर्बाद कर दिया। एक ने कहा कि यह तो जीवन के खतरे हैं। चुरु का एक व्यापारी छह माह पूर्व आठ लाख रुपये लेकर यूक्रेन गया था। युद्ध के हालात में सब छोड़कर भागना पड़ा, फिर तो सरकार उसके भी नुकसान की भरपाई करे। एक अन्य ने यूक्रेन से भारत लौटी उसे बेटी के अभिभावकों की प्रशंसा की जिन्होंने बेटी के भारत आने पर उसके किराये के 32 हजार रुपए

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री कोष में जमा कर दिये। बहस में शामिल सबने इस बिटिया के अभिभावकों की प्रशंसा की। उनके लिए ताली बजाई। कहा कि अन्य छात्र-छात्राओं के अभिभावकों को इस तरह की जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए। एक व्यक्ति ने इसी को लेकर वायरल हो रहा एक युवती का वीडियो सबको सुनाया। इसमें भी कुछ ऐसा ही कहा गया जो आज बहस में कहा जा रहा था। सबने इस वीडियो की तारीफ की। सबने इन छात्र और अभिभावकों के रवैये की आलोचना की।

बेहद खास हैं पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के सियासी मायने

कमलेश पांडेय

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो सीएम योगी आदित्यनाथ सत्ता में फिर से अपनी वापसी के लिए आत्मविश्वास से लबरेज रहे। क्योंकि उन्होंने सुशासन और विकास के अलावा जनता की हर छोटी बड़ी तकलीफ को समझकर उसे ईमानदारी पूर्वक दूर करने की कोशिश की और अपने अधिकारियों के ऊपर भी सतत निगरानी रखे। भारत के पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के आये नतीजे के सियासी मायने स्पष्ट हैं। कुछे के अर्थों में ये भारतीय जनता पार्टी यानी बीजेपी और आम आदमी पार्टी यानी आप के लिए बेहद खास हैं। क्योंकि बीजेपी जहाँ चार राज्यों में अपनी सरकार बचाने में सफल रही है। वही दिल्ली प्रदेश में सत्तारूढ़ आप ने दिल्ली के बाद पंजाब जैसे बड़े राज्य को भी कांग्रेस से छीनकर अपने पास कर लिया है, वो भी दो तिहाई स्पष्ट बहुमत से। उधर, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, गोवा और मणिपुर में बीजेपी को स्पष्ट बहुमत प्राप्त हो गया है। वहीं, मणिपुर में बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यू.ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं, इन चुनावों ने यूपी की प्रमुख विपक्षी पार्टी समाजवादी पार्टी यानी सपा और यूपी में कभी सत्तारूढ़ रही बहुजन समाज पार्टी यानी बीएसपी की ओर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस समेत विभिन्न छोटे-मोटे दलों को भी कुछ सीख देने की कोशिश की है, यदि इन पार्टियों का नेतृत्व इसे समझने की कोशिश करें तो। दो टूक कहा जाए तो इन पार्टियों को अपनी यिसी पिटी

सियासी रणनीति में आमूलचूल बदलाव लाना होगा, अन्यथा बीजेपी से बच्ची राजनीतिक जगह को आप भर देगी और गैर भाजपा विपक्ष दिल्ली-पंजाब की तरह हाथ मलता रह जायेगा। देखा जाए तो आम चुनाव 2024 के पहले यूपी समेत पांच विधानसभा चुनाव 2022 के समेफाइनल करार देने वाले लोगों के लिए भी इसमें बहुत बड़ा सन्देश छिप हुआ है। वाकई उत्तरप्रदेश और पंजाब जैसे दो बड़े राज्यों और उत्तराखण्ड, गोवा और मणिपुर जैसे 3 छोटे राज्यों से आये चुनाव परिणामों ने एक बात फिर से यह बात स्थापित करने की कोशिश की है कि भारतीय राजनीतिकी परंपरागत चुनावी धारा बदल रही है और उसकी जगह एक नई आधुनिक धारा ले रही है, जो जटिवाद, क्षेत्रवाद, सम्प्रदायवाद, परिवारवाद, पूंजीवाद, बाहुबल, तुष्टिकरण जैसे पुराने राजनीतिक दांवपेंच से इतर सुशासन विकासवाद, हिंदुत्व और संतुलित समीकरण को साधकर मूल्यों व वसूलों की राजनीति को बढ़ावा देने तथा सबको समान अवसर, सत्तागत सहूलियत व जनसुविधाएं देने की कोशिशों पर आधारित है। आप इसे हिंदुत्व की परिधि में सर्व समावेशी राजनीति को तोरजीभी समझ सकते हैं। यही वजह है कि कुछेक अपवादों को छोड़कर बीजेपी लगातार आगे बढ़ रही है और सात-आठ साल पहले गठित आम आदमी पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जैसी सभा सौ साल पुरानी पार्टी की जगह धीरे धीरे ले रही है। क्योंकि समाजवादी सियासत करने



वाले क्षेत्रीय दल भी कांग्रेसी सियासी लकीरों की नकल करने के कारण भारतीय राजनीति में लगातार अपनी प्रासंगिकता खोते चले जा रहे हैं। वैसे तो भाजपा विरोधी दलों ने कोरोना महामारी के बाद खूब, गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी, पेट्रोल-गैस की बढ़ती कीमतों, महंगी शिक्षा, बढ़ते अस्पताल बिल, पानी, भ्रष्टाचार, किसानी-मजदूरी, पुरानी पेंशन प्रणाली और मुफ्तखोखोरी की बौछार करके मुद्दों को गरमाने में कई कोर करसर नहीं छोड़ी। परन्तु ताजा चुनाव परिणाम ने साबित कर दिया कि 5 राज्यों में जातिवादी, परिवारवादी, भ्रष्टाचारी तथा छद्म सेक्युलरवादी दलों को मतदाताओं ने खारिज कर दिया है और हिंदूवादी ताकतों के हाथों में सत्ता सौंप दी है, अपवाद स्वरूप पंजाब को छोड़कर, जहाँ आप की राजनीति कई मामलों में बीजेपी की नकल ही करार दी जाती है। वहीं, पंजाब में कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू, उपर में सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य तथा उत्तराखण्ड में कांग्रेस नेता हरीश रावत की पराय बहुत कुछ चुगली कर रही है कि आखिर इन तपे तपाये नेताओं की शिक्षत के मायने क्या हैं? शायद यह फिर हिंदुस्तान को उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा जैसे स्पष्ट अंतर पारदर्शी सनातनी नेता की जरूरत है। जो केंद्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री ने भी मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने नक्शेकदम पर चलकर देश को एक नई राजनीतिक दिशा देने को तपतर है। जिस तरह से दिल्ली, महाराष्ट्र, केरल, पश्चिम बंगाल के बाद अब पंजाब बीजेपी को उम्मीदों के अनुरूप सफलता नहीं मिली है, उसके परिप्रेक्ष में यूपी, उत्तराखण्ड, मणिपुर व गोपीनाथ की ताजा राजनीतिक सफलता उत्साह बढ़ाने को काफी है। सच कि जाए तो उत्तर प्रदेश में 1985 वाले कांग्रेस सरकार के बाद बीजेपी व योगी सरकार ही ऐसी सरकार है जो फिर से सत्ता में अपनी वापसी कर रही है। लगभग 37 साल बाद बन रहे इस रिकॉर्ड के पीछे कई प्रमुख कारण हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की मानने के सीधे योगी आदित्यनाथ सत्ता में पिछे से अपनी वापसी के लिए आत्मविश्वास से लबरेज रहे। क्योंकि उन्होंने सुशासन और विकास के

अलावा जनता की हर छोटी बड़ी तकलीफ को समझकर उसे ईमानदारी पूर्वक दूर करने की कोशिश की और अपने अधिकारियों के ऊपर भी सतत निगरानी रखे। उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं, यथा- प्रधानमंत्री आवास, राशन, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, पीएम स्वनिधि योजना, उज्जवला योजना, बिजली कनेक्शन, मुद्रा लोन समेत व्यापारियों, महिलाओं और समाज के अन्य वर्गों के लिए लागू की गई योजनाओं को ईमानदारी पूर्वक लागू करवाया। वहीं, कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से निपटने के लिए सरकार की ओर से सबको कोरोना की मुफ्त वैक्सीन व समुचित इलाज के प्रयत्न भी प्रमुख कारण है, जिसे लोगों ने महसूस किया। मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ द्वारा कानून व्यवस्था का सफल क्रियान्वयन और बाहुबलियों-भ्रष्टाचारियों के खिलाफ बुल्डोजर चलाने का मुद्दा भी प्रमुख रहा है, जिसके जनता ऐसी ही सख्ती चाहती है। वहीं, भाजपा ने अपनी युगान्तकारी नीतियों से सभी सामाजिक वर्गों के बीच संपर्क का सघन अभियान चलाया। उसने महिलाओं, युवाओं के साथ ही सभी सामाजिक वर्गों व जातियों के बीच अपनी पैठ और गहरी की, जिसका सकारात्मक नतीजा यह हुआ कि भाजपा को सभी वर्गों का वोट मिला। अंत अंत तक सब लोग बीजेपी के पक्ष में जुटे रहे, पन्ना प्रमुखों ने घर-घर बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाया। जिलों में विधानसभा स्तर तक बनी चुनाव संचालन समितियों के माध्यम से भाजपा ने हर बूथ स्तर तक

की निगरानी सुनिश्चित की। जबकि मीडिया का एक वर्ग और विपक्ष सत्ता विरोधी क्यासों को तूल देते हुए आत्ममुग्ध रहा। यूपी विधानसभा चुनाव के महेनजर पिछले छह महीने से भाजपा की पूरी मशीनरी चुनावों में जुटी रही। पीएम नरेंद्र मोदी समेत अमित शाह, जेपी नड्डा, राजनीति सिंह समेत पार्टी के सभी प्रमुख नेताओं को मैदान में उतारा गया। भाजपा की जन विश्वास यात्रा ने पूरे प्रदेश में भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया। पीएम मोदी और योगी सरकार ने राजनीति में परिवारवाद और गुंडागर्दी को मुख्य मुद्दा बनाया गया। सपा ने ऐसे में जिन दागी चेहरों को टिकट दिए, उन्होंने भी कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर बीजेपी का साथ दिया। यूपी में एआईएमआईएम, जदयू, पीस पार्टी, वीआईपी व अन्य पार्टियों को भी निराशा हाथ लगी है, जबकि सपा की सहयोगी रालोद ने अपने प्रदर्शन में सपा की तरह ही अपेक्षित सुधार किया है, जिससे उसकी राजनीतिक पूछ निकट भविष्य में बढ़ेगी। इसी प्रकार उत्तराखण्ड में तीन-तीन मुख्यमंत्री बदलने के बावजूद भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिलना यह जाहिर करता है कि पार्टी रणनीतिकारों के राजनीतिक प्रयोग सफल रहे हैं। यह जीत इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि राजनेता व मीडिया यहां पर कांग्रेस की सत्ता में वापसी के संकेत दे रहे थे। लेकिन मतदाताओं के सकारात्मक मिजाज ने इन अटकलों की हवा निकाल दी। यहां बीएसपी को 2 सीट मिलना महत्वपूर्ण है, जो कभी यूपी में बीजेपी की सहयोगी पार्टी रही है।

ਦਲਖਦਲੁਆਂ ਕੋ ਜਨਤਾ ਨੇ ਅਛਾ ਸਥਕ ਸਿਖਾਯਾ ਹੈ

नीरज कुमार दुबे

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से ऐन पर दलबदल करने वाले ज्यादातर विधायकों का तखाली गया और ऐसे 80 प्रतिशत जनप्रतिनिधि सियासी संग्राम में सफलता हासिल नहीं कर सके। दलबदल कर विभिन्न राजनीतिक दलों का हथामने वाले इन 21 विधायकों में से सिर्फ़ चार ही जीत नसीब हुई है। हम आपको बता दें कि पाला बदलने वाले इन विधायकों में से 9 भाजपा जबकि 10 सपा के टिकट पर चुनाव मैदान में उत्तर थे। जिन प्रमुख नेताओं को हार का सामना करना पड़ा उनमें उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री स्वप्रसाद मौर्य व धर्म सिंह सैनी के अलावा बरेंद्र की पूर्व महापौर सुप्रिया ऐरन शामिल हैं। ये ने चुनाव से ऐन पहले समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे। उत्तर प्रदेश में 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बनी सरकार में कांगड़ा पांच वर्ष तक मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्य, विधायक सिंह चौहान और धर्म सिंह सैनी ने ऐन चुनाव मौके पर भाजपा पर पिछड़ों और दलितों उपेक्षा का आरोप लगाकर मंत्री पद से इस्तीफ़ दिया था और समाजवादी पार्टी में शामिल हो गयी है। अखिलेश यादव के नेतृत्व में पिछड़ों को एक बड़ा करने की मुहिम शुरू की थी लेकिन खुद चुनाव हार गये।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने तो दावा किया था कि भाजपा की चूले हिला देंगे और उसे नेस्टनामा कर देंगे लेकिन उनकी खुद की चूले ऐसी रिपोर्ट गयी हैं कि लंबे समय तक अब राजनीतिक रूप से वापस खड़े नहीं हो पाएंगे। अखिलेश यादव समक्ष भी अब स्वामी प्रसाद मौर्य की राजनीतिक हैसियत का खुलासा हो गया है इसीलिए अब भी उन्हें शायद पहले की तरह तवज्ज्ञ नहीं। उत्तर प्रदेश की ही तरह यदि उत्तराखण्ड की उम्मीदेखें तो वहां भी भाजपा को मटियामेट कर देने दावे करने वाले यशपाल आर्य और हरक निराशवात खुद ही राजनीतिक रूप से मटियामेट गये। उत्तराखण्ड की भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे यशपाल आर्य मुख्यमंत्री पद महत्वाकांक्षा के चलते कहीं के नहीं रहे। उत्तराखण्ड से पहले वह अपने बेटे और भाजपा विधायक संजीव आर्य के साथ पार्टी छोड़ दिया। कांग्रेस में चले गये। कांग्रेस ने दोनों विधायक पिता-पत्र को टिकट भी दे दिया लेकिन बाजपा



विधानसभा सीट से यशपाल हारते बचे और उनके बेटे से चुनाव हार गये। अब विपक्ष में बैठने के अलावा हरक सिंह रावत की बात को चुनावी देते हुए चुनावों पर थे। हरक सिंह रावत खुद लेकिन अपनी पुत्रवधु अटिकट पर लैंसडाउन से ज़मोदी लहर को वह भांप नहीं से भाजपा जीत गयी। इस भी अब घर बैठ गये हैं और रूठने वाले नेताओं से छुटकारा ऐन चुनावों के समय कांग्रेस आये किशोर उपाध्याय विधानसभा चुनाव जीत किशोर उपाध्याय को तो नियमित रूप से नियुक्त मंत्री बनाये जाने के भी आये।

दलबदलुओं के बारे में आपको वापस उत्तर प्रदेश वाताते हैं कि अदिति सिंह कुमार सिंह (पुरवा) (पड़गौरा) ने दलबदल के पर चुनाव में जीत हासिल की। अदित्यनाथ सरकार में मंत्री ने चुनाव से ठीक पहले राज्यपाल घोसी सीट से जीत ली। दैं दैं कि अदिति सिंह ने हाल भाजपा का दामन थामा अध्यक्ष सोनिया गांधी का

आर्य बस हारते-
जीव आर्य नैनीताल
पाल आर्य के पास
ई चारा नहीं है। वहीं
तो वह भी भाजपा
पहले पार्टी छोड़ गये
चुनाव नहीं लड़े थे
कृति को कांग्रेस के
बाव लड़वाया। मगर
सके और लैंसडाउन
ह हरक सिंह रावत
जपा को भी रोजाना
मिल गया है। वहीं
छोड़कर भाजपा में
और सरिता आर्य
विधायक बन गये।
भी भाजपा सरकार में
रहे।

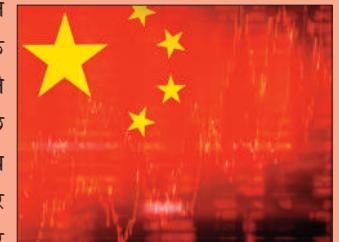
बात करते हुए यदि
ले चलें तो आंकड़े
(रायबरेली), अनिल
जौर मनीष कुमार
दाद भाजपा के टिकट
की। जबकि योगी
रहे दारा सिंह चौहान
का हाथ थामा व
आपको याद दिला
में कांग्रेस छोड़कर
और उन्हें कांग्रेस
लोकसभा सीट के

अंतर्गत आने वाली विधानसभा सीट से प्रत्येक
बनाया गया था। दलबदल के बाद जिन विधायकों
ने भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा और उन्हीं सके उनमें राकेश सिंह (हरचंदपुर), नैनी (बेहट) वंदना सिंह (सगड़ी), राम उपाध्याय (सादाबाद), सुधा पासी (सैदपुर)
और हरिओम यादव (सिरसांगज) शामिल
पाला बदलकर सपा के टिकट पर चुनाव लड़ा
जीत से चंचित रहे विधायकों में ब्रजेश प्रजाती
(तिंदवारी) रौशन लाल वर्मा (तिहर), भगवन
सागर (घाटमपुर), दिग्विजय नारायण
(खलीलाबाद), मधुरी वर्मा (नानपारा) व
विनय शंकर त्रिपाठी (चिल्लूपार) शामिल
वहीं, रामपुर की स्वार सीट पर कांग्रेस का टिकट
दुकराकर भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन
अपना दल (एस) से चुनाव मैदान में उतरे नहीं
परिवार के हैंदर अली खान को सपा उम्मीदवार
अब्दुल्ला आजम खान ने 61 हजार मतों
हराया। बलिया जिले के बैरिया क्षेत्र में 2017
भाजपा से चुनाव जीते सुरेंद्र सिंह इस बार टिकट
नहीं मिलने पर विद्रोह कर विकाससील इंडिया
पार्टी (वीआईपी) प्रत्याशी के तौर पर मैदान में
उतरे, लेकिन मतदाताओं ने उन्हें तीसरे नंबर पर
धकेल दिया। अपने विवादित बयानों के फैसले
सुर्खियों में रहने वाले सुरेंद्र सिंह को 28,615
मिले। तो इस प्रकार दलबदलुओं पर से जनता
विश्वास उठता दिख रहा है। जनता सिर्फ विकास
की राजनीति को तरजीह देती है। नेताओं
अवसरवादिता को अब वह और सहने के मूल
नहीं है।

यूक्रेन मामले पर सावधानी से कदम आगे बढ़ा
इहा है दुनिया का सबसे बड़ा व्यापारी देश चीन

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

आजकल चीन और रूस का संबंध वैसा कटु नहीं है, जैसे माओ और खुट्टचौप के जमाने में था। आजकल ये दोनों राष्ट्र गलबहियां डाले हुए हैं। चीन की फौज और अर्थव्यवस्था इस समय इतनी बड़ी है कि चीन जब चाहे रूस की सहायता कर सकता है।



इस समय सारी दुनिया का ध्यान यूक्रेन पर लगा हुआ है लेकिन इस संकट के दौरान चीन की चतुराई पर कितने लोगों ने ध्यान दिया है? इस समय पिछले कुछ वर्षों से चीन और अमेरिका के बीच भयंकर अनबन चल रही है। चीन पर लगाम लगाने के लिए अमेरिका ने चार देशों— भारत, आस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका का चौगुटा (क्वॉड) खड़ा कर लिया है। ‘आकुस’ का सैन्य संगठन पहले से बना ही हुआ है। चीनी-अमेरिकी व्यापार, ताइवान और दक्षिण चीनी समुद्र के सवाल पर इन दोनों देशों में तनातनी चल रही है। चीन में हुए ओलंपिक खेलों का भी अमेरिका और उसके साथी राष्ट्रों ने बहिष्कार किया है लेकिन इन सब चीन-विरोधी हरकतों के बावजूद यूक्रेन के सवाल पर जब-जब वोट देने का सवाल आया, चीन ने कभी भी अमेरिकी प्रस्ताव के विरुद्ध वोट नहीं दिया। उसने भारत की तरह तटस्थता दिखाई। परिवर्जन (एब्स्टेन) किया। क्यों किया? क्या वह अमेरिका से डरता है? नहीं! उसे अमेरिका से कोई डर नहीं है। वे आर्थिक और सामरिक दृष्टि से भी अमेरिका के मुकाबले सीना तानकर खड़ा हो सकता है। वह अमेरिका के लिए रूस से कई गुना बड़ा खतरा बन सकता है। आजकल चीन और रूस का संबंध वैसा कटु नहीं है, जैसे माओ और खुर्शौफ के जमाने में था। आजकल ये दोनों राष्ट्र गलवाहियां डाले हुए हैं। चीन की फौज और अर्थव्यवस्था इस समय इतनी बड़ी है कि चीन जब चाहे रूस की सहायता कर सकता है। चीन और रूस शांघाई सहयोग संगठन के सदस्य भी हैं। इसके बावजूद यूक्रेन के सवाल पर चीन ने कभी रूस के समर्थन में वोट नहीं दिया। जब भी सुरक्षा परिषद, महासभा या मानव अधिकार परिषद में यूक्रेन का मामला उठा तो उसने खुलकर रूस के समर्थन में एक शब्द भी नहीं बोला। इस सावधानी का रहस्य क्या है? वह भारत की तरह तटस्थ क्यों हो गया है? भारत की तो मजबूरी है, क्योंकि रूस और अमेरिका, दोनों के ही भारत से अच्छे संबंध हैं। यों भी भारत अपनी गुट-निरपेक्षता या तटस्थता के लिए जाना जाता रहा है। चीन की तटस्थता का जो रहस्य मुझे समझ में आता है, वह यह है कि वह रूस के इस अतिवादी कदम का समर्थन करके दुनिया में अपनी छवि खराब नहीं करवाना चाहता है। वह अपने आप को विश्व की महाशक्ति मनवाना चाहता है। इतना काफी है कि वह रूस का विरोध नहीं कर रहा है। दूसरी बात यह है कि अमेरिका के साथ वह अपने दरवाजे खुले रखना चाहता है। यदि वह रूस का अंध-समर्थन करने पर उतारू हो जाता तो चौगुटे के चारों देशों और यूरोपीय राष्ट्रों के साथ चल रहा उसका अरबों-खरबों डॉलर का व्यापार भी चौपट हो सकता था। चीन इस समय दुनिया का सबसे बड़ा व्यापारी देश है। इसीलिए वह महाजनी बुद्धि से काम कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने पर गोलगप्पे वाले ने फ्री में खिलाया गोलगप्पे

दीपक कौशिक / एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने का असर राजस्थान में भी देखा गया, यूपी निवासी राजस्थान के बालूपूर जिला अलीर में जोगानपे लगाने वाले योगी आदित्यनाथ समर्थक जिसने चुनाव परिणाम की तारीख को प्रण किया कि यदि यूपी में भाजपा सरकार बनाती है तो मैं निशुल्क गोलगप्पे खिलाऊंगा चुनाव परिणाम की तारीख 10 मार्च की गोलगप्पे वाले ने 2000 गोलगप्पे निशुल्क खिलाएं। जिसमें गोलगप्पे खाने वालों ने काफी तारीफ की गोलगप्पे काफी स्वादिष्ट थे, इस तरह गोलगप्पे वाले ने अपनी खुशी जाहिर की।

सुमन बिश्नोई ने जनहित द्रस्ट से जुड़कर समाज सेवा करने का संकल्प लिया

रमेश कुमार / एनसीआर समाचार

जनहित द्रस्ट हर दिन भलाई के काम करती आ रही है जिसको देख कर तमाम लोग द्रस्ट में जुह रहे हैं। द्रस्ट के सचिव महिंद्र वर्तिया, भैनेजमेट टीम से डॉक्टर दलबीर सिंह और फौजी सिंह ने डबाली में सुमन बिश्नोई के बेतरूप में डर्जनी महिलाओं को द्रस्ट से जोड़ा, सिविय महिंद्र वर्तिया और भैनेजमेट टीम दलबीर सिंह और फौजी सिंह ने जनहित द्रस्ट की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी, वहीं सुमन बिश्नोई ने जनहित द्रस्ट से जुड़कर समाज सेवा करने का संकल्प लिया।

वार्षिक उत्सव कार्यक्रम, वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में सभी लोग आमंत्रित

प्रमोद कुमार बंसल / एनसीआर समाचार

राजस्थान के गुह राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री स्वतंत्र प्रभार, जनशक्ति नियोजन मंत्री स्वतंत्र प्रभार, राजेंद्र सिंह यादव, रविवार 13 मार्च 2022 को विभिन्न वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित होने जिनमें 10:00 बजे राजकीय उच्च प्रथमिक विद्यालय भोला की स्कूल गौशाला रोड कोटपुतली, 11:15 बजे राजकीय उच्च प्रथमिक विद्यालय पुराणगढ़ 12:15 बजे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चिमनुरा, 1:00 बजे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कायमपुरा बास के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे, वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में सभी लोग आमंत्रित हैं।

विराटनगर पुलिस थाना की कार्रवाई

प्रमोद कुमार बंसल / एनसीआर समाचार

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक मंत्री अवैध शराब बेचते हुए पाया गया, उसके पास से 40 पक्के बरामद किए गए और उसे गिरफ्तार किया गया, साथ ही शति भंग के अरोपे में पाच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। जिनमें पुलिस टीम सदस्य में विराटनगर थानाधिकारी रामअवतार मीणा कॉन्ट्रेबल रामअवतार मीणा हड़ कार्ट्रेबल हाथी राम मीणा कॉन्ट्रेबल मुकेश कुमार कॉन्ट्रेबल राजेंद्र कुमार मीजूद थे।

बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले को लेकर परिजनों ने किया रास्ता जाम

सरताज / एनसीआर समाचार

बरेली में 7 वर्ष की बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला, मौके पे आरोपी को पुलिस के मुठभेड़ के दौरान किया गिरफ्तार, आज सुबह 3:45 बजे हुई मुठभेड़ में आरोपी शिवा उर्फ शिवम के पैर में लगी गोली, थाना झज्जर नगर में दुष्कर्म और पास्को एकट में मुकदमा दर्ज किया गया है, देश रात तक कार्रवाई की मांग को लेकर बच्ची के परिजनों और स्थानीय लोगों ने नैनिताल हाईपेर वर लगाया था जाम, SSP रोहित सिंह सजवान ने की मुठभेड़ की पुष्टि।

कोटपूतली से स्काउट दल खाटू श्याम के लिए रवाना

दीपक कौशिक / एनसीआर समाचार

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ कोटपूतली का 20 सदस्यों का स्काउट दल मंगलवार को खाटू श्याम के लिए रवाना हुआ, दल को प्रधानाचार्य व प्रधारी सहायक जिला कमिस्नर गाइड मोर्डरमा यादव ने हरी झंकी दिखाकर रवाना किया, संघ के सचिव हंसराज यादव ने बताया कि 15 मार्च तक खाटू श्याम फाल्जुन मेले में विभिन्न सेवाएं प्रदान करेंगे। दल की अगुवाई संघ के ट्रेनिंग काउंसलर सीताराम गुप्ता, कृष्ण कांत शर्मा, अजय कुमार द्वारा की गई, दल खाटू मेले में खोया पाया विभाग, प्राविमिक सहायता, जल व्यवस्था, भौजन व्यवस्था, ट्रैफिक व्यवस्था सहित अलेक विभिन्न सेवाएं प्रदान करेंगे।

युवा रिवॉल्यूशन के अध्यक्ष मनोज चौधरी का जन्मदिन मंत्री राजेंद्र सिंह यादव ने केक काटकर दी बधाई

प्रमोद कुमार बंसल / एनसीआर समाचार

युवा रिवॉल्यूशन के अध्यक्ष मनोज चौधरी के जन्मदिन के अवसर पर राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह यादव ने केक काटकर जन्मदिन की बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। चेयरमैन दुर्गाप्रियसाद सैनी, प्रधान इंद्रजाट सैनी, लिंगेंद्र मालवाल, सुरेन्द्र चौधरी, वाइस वेयरमैन अशोक शरण बंसल, उप प्रधान राजेंद्र रहीसा इत्यादि ने जन्मदिन की बधाई दी।

खाय सुरक्षा प्रशासन का लाइसेंस रजिस्ट्रेशन वृद्धि शिविर हुआ संपन्न

ब्रज कुमार राठौर / एनसीआर समाचार

शुजालपुर आज खाय सुरक्षा प्रशासन विभाग का लाइसेंस रजिस्ट्रेशन वृद्धि शिविर CMHO डॉ. रामेश किंदिया के अदेश अनुसार आज शुजालपुर मंडी में शिविर लगाया गया, शिविर में खाय अधिकारी राजेंद्र कामले द्वारा बताया गया कि जिन व्यापारियों के रजिस्ट्रेशन लाइसेंस नहीं हैं वह

अॉफलाइन भी बनाए सकते हैं।

पंजाब में पहली बार झाड़ू की ऐतिहासिक जीत



ज्ञान बंद / एनसीआर समाचार

मलोटा। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोगक अरविंद केजरीवाल के अधक प्रयासों से उन्हें पिछले दो विधानसभा चुनाव के बाद 2022 का विधानसभा चुनाव जीतने में मदद मिली है। हल्का मलोटा से डॉ. बलजीत कौर जो राजीवीत में नई वैयोगियों को भारी मतों से विजय हुई है, गैरतब वह कि पुराने अनुभवी लोगों की यह कहावत भी सच हुई है कि यहला साल गर्म होता है और तीसरा साल पूरी उम्र के लिए गर्म होता है, 16वीं विधानसभा का चुनाव 117 सीटों पर हुआ है, जिसमें 93 सीटों पर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है, बादल परिवार का समर्थन करने के बायाय, ऐसे में उन्हें भी अपनी सीट जीतने से हाथ धोना पड़ा है लूधियाना के शहरी इलाकों की बात करें तो पता चलता है कि इन निवाचन क्षेत्रों से बाजार में पहली ऐतिहासिक जीत है।

पंजाब की भौजूदा कांग्रेस सरकार अपने मुख्यमंत्री की सीट भी नहीं बचा पाई है, इससे अंद्रेजा लागाइ टीम की हाँह ही तो रुक गयी है बादल परिवार ने एक भी सीट नहीं बचाई, मनीषीत विहास के दो बाजारों की जीत सकती है और बैठना था, लैकिन इस बाद मतदाताओं में जागृत है, शहर की 6 सीटों पर न तो कांग्रेस, न शिरोमणि अकाली दल और न ही बीजेपी एक भी सीट जीत सकी, यहां तक कि मैं जूदा

गर्म होता है और तीसरा साल पूरी उम्र

के लिए गर्म होता है, 16वीं विधानसभा का चुनाव 117 सीटों पर हुआ है, जिसमें 93 सीटों पर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है, बादल परिवार का समर्थन करने के बायाय, ऐसे में उन्हें भी अपनी सीट जीतने से हाथ धोना पड़ा है लूधियाना के शहरी इलाकों की बात करें तो पता चलता है कि इन निवाचन क्षेत्रों से बाजार में पहली ऐतिहासिक जीत है।

बादल परिवार का समर्थन करने के बायाय, ऐसे में उन्हें भी अपनी सीट जीतने से हाथ धोना पड़ा है लूधियाना के शहरी इलाकों की बात करें तो पता चलता है कि इन निवाचन क्षेत्रों से बाजार में पहली ऐतिहासिक जीत है।

बास भाइयों को भी जो लगातार अलग-अलग निवाचन क्षेत्रों पर कब्जा कर रहे हैं। आप उम्मीदवारों के समाने घटने टेकने को मजबूर हो गए हैं। आम आदमी पार्टी में पहली नए उम्मीदवारों के लिए जीतने के बायाय, अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में उन्हें जो लैकिन इस बादल परिवार का समर्थन करते हैं और बैठना था, लैकिन इस बाद मतदाताओं में जागृत है, शहर की 6 सीटों पर न तो कांग्रेस, न शिरोमणि अकाली दल और न ही बीजेपी एक भी सीट जीत सकी, यहां तक कि मैं जूदा

गर्म होता है और तीसरा साल पूरी उम्र

के लिए गर्म होता है, 16वीं विधानसभा का चुनाव 117 सीटों पर हुआ है, जिसमें 93 सीटों पर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है, बादल परिवार का समर्थन करने के बायाय, ऐसे में उन्हें भी अपनी सीट जीतने से हाथ धोना पड़ा है लूधियाना के शहरी इलाकों की बात करें तो पता चलता है कि इन निवाचन क्षेत्रों से बाजार में पहली ऐतिहासिक जीत है।

बादल परिवार का समर्थन करने के बायाय, ऐसे में उन्हें भी अपनी सीट जीतने से हाथ धोना पड़ा है लूधियाना के शहरी इलाकों की बात करें तो पता चलता है कि इन निवाचन क्षेत्रों से बाजार में पहली ऐतिहासिक जीत है।

राजकीय महाविद

